कक्षा-11 : हिन्दी (द्वितीय भाषा)

એકમ/પ્રકરણ	અધ્યયન નિષ્પત્તિ	પાઠ્યપુસ્તકના સ્વાધ્યાયમાં ઉમેરવાની બાબતો
1. कृष्ण भक्ति होरि खेलते है गिरधारी !	$H_2$1201, $H_2$1202, $H_2$1216, $H_2$1218, $H_2$1223,	
2. नमक का दारोगा प्रयोजनमूलक हिन्दी : पुस्तकालय का महत्व व उपयोगिता	$H_2$1203, $H_2$1206, $H_2$1215, $H_2$1216, $H_2$1219, $H_2$1209	
3. कान्ह मए बस बांसुरिके	$H_2$1201, $H_2$1202, $H_2$1216, $H_2$1218,	
4. अकेली प्रोजनमूलक हिन्दी : सूचना प्रोद्योगिकी	$H_2$1203, $H_2$1206, $H_2$1213, $H_2$1215, $H_2$1216, $H_2$1217, $H_2$1219, $H_2$1223, $H_2$1212, $H_2$1221, $H_2$1222,	
5. भारत शिररत्न : भरत	$H_2$1201, $H_2$1202, $H_2$1209, $H_2$1214, $H_2$1216, $H_2$1218, $H_2$1219	
6. घर प्रयोजनमूलक हिन्दी शब्दावली विश्वकोश, थीसारॅस, परिचय और उपयोग	$H_2$1203, $H_2$1206, $H_2$1209, $H_2$1213, $H_2$1215, $H_2$1217, $H_2$1215, $H_2$1216, $H_2$1218,	
7. बादल को घिरते देखा हैं	$H_2$1201, $H_2$1202, $H_2$1216, $H_2$1218, $H_2$1220,	
8. चार्ल्सटाउन से जोहनिसबर्ग प्रयोजनमूलक हिन्दी : डाक घर से संबंधित प्रपत्र	$H_2$1203, $H_2$1204, $H_2$1206, $H_2$1209, $H_2$1215, $H_2$1205, $H_2$1221	
9. जोबीत गाई सो बात गई	$H_2$1201, $H_2$1202, $H_2$1216, $H_2$1218, $H_2$1223	
10. कारतूस प्रोजनमूलक हिन्दी : उपभोक्ता न्यायालय में शिकायत करना	$H_2$1203, $H_2$1209, $H_2$1215, $H_2$1217, $H_2$1208, $H_2$1222	

એકમ/પ્રકરણ	અધ્યયન નિષ્પતિ	પાઠ્યપુસ્તકના સ્વાધ્યાયમાં ઉમેરવાની બાબતો
11. जो बीत गई सो बात गई	$H_2$1201, $H_2$1202, $H_2$1209, $H_2$1216, $H_2$1218, $H_2$1220,	
12. रेडियम की आत्मकथा प्रयोजनमूलक हिन्दी : आधुनिक मुद्रण तकनीक	$H_2$1203, $H_2$1206, $H_2$1210, $H_2$1213, $H_2$1215, $H_2$1212	
13. महाप्रस्थान	$H_2$1201, $H_2$1202, $H_2$1209, $H_2$1216, $H_2$1218	
14. सुभाष मानव : सभाष महामानव प्रयोजनमूलक हिन्दी : भारतवर्ष के पर्यटन स्थल एवं टुरिस्ट गाईड	$H_2$1203, $H_2$1206, $H_2$1209, $H_2$1213, $H_2$1215, $H_2$1223, $H_2$1211	
15. बैरंग बेनाम चिट्ठियाँ	$H_2$1201, $H_2$1202, $H_2$1216, $H_2$1223,	
16. एक और जन्मदिन व्याकरण : शब्द भंडार शब्द निर्माण	$H_2$1203, $H_2$1206, $H_2$1210, $H_2$1215 $H_2$1215, $H_2$1216, $H_2$1217, $H_2$1218, $H_2$1220,	
17. नींव की ईट हो तम दीदी	$H_2$1201, $H_2$1202, $H_2$1209 $H_2$1216,	
18. मेरे राम का मुकुट भीग रहा है व्याकरण-वाक्य विचार, वाक्य अशुद्धि शोधन, विरामचिहन	$H_2$1202, $H_2$1203, $H_2$1214, $H_2$1210, $H_2$1214, $H_2$1217,	
19. कैलेंडर	$H_2$1201, $H_2$1202, $H_2$1209,	
20. मनोहरपुरी की सीमा पर	$H_2$1203, $H_2$1209, $H_2$1215,	

कक्षा-11 : हिन्दी (द्वितीय भाषा)

એકમ/પ્રકરણ	અધ્યયન નિષ્પતિ	પાઠ્યપુસ્તકના સ્વાધ્યાયમાં ઉમેરવાની બાબતો
1. साधो, देखो जग बौराना	$H_2$1101, $H_2$1102, $H_2$1109, $H_2$1114, $H_2$1116, $H_2$1118,	
2. बापू की कुटिया में	$H_2$1103, $H_2$1106, $H_2$1109, $H_2$1111, $H_2$1115, $H_2$1117,	
3. पुरानी चीजों के पक्ष में	$H_2$1101, $H_2$1102, $H_2$1114, $H_2$1116, $H_2$1118	
3. पुरानी चीजो के पक्ष में	$H_2$1103, $H_2$1102, $H_2$1114, $H_2$1116, $H_2$1118,	
4. चन्द्रशेखर आज़ाद	$H_2$1103, $H_2$1106, $H_2$1109, $H_2$1114, $H_2$1115, $H_2$1117	
• हिन्दी के विविध रुप	$H_2$1104, $H_2$1105, $H_2$1108,	
5. शिक्षक के नाम पत्र	$H_2$1101, $H_2$1102, $H_2$1109, $H_2$1116,	
6. भारत माता की जय	$H_2$1103, $H_2$1106, $H_2$1109, $H_2$1113, $H_2$1117	प्रथम प्रधानमंत्री के जीवनचरित्र को पढ़ने की सूचना ।
• व्यावहारिक पत्राचार-1	$H_2$1104, $H_2$1105, $H_2$1107, $H_2$1108, $H_2$1111,	
7. परशुराम - लक्ष्मण संवाद	$H_2$1101, $H_2$1102, $H_2$1116, $H_2$1118, $H_2$1119, $H_2$1120	
8. पंचलाइट	$H_2$1103, $H_2$1106, $H_2$1109, $H_2$1111, $H_2$1113, $H_2$1115	मैला आँचल पर बनी फिल्म या धारावाहिक से परिचय ।
• प्रयोजनमूलक हिन्दी	$H_2$1104, $H_2$1108,	
9. चंपा काले अक्षर नहीं चीन्हती	$H_2$1101, $H_2$1102, $H_2$1114, $H_2$1116, $H_2$1109	

એકમ/પ્રકરણ	અધ્યયન નિષ્પત્તિ	પાઠ્યપુસ્તકના સ્વાધ્યાયમાં ઉમેરવાની બાબતો
10. अजंता	$H_2$1103, $H_2$1106, $H_2$1109, $H_2$1111, $H_2$1114	
• स्ववृत	$H_2$1105	
• व्यावहारिक पत्रोचार-2	$H_2$1105, $H_2$1104	
11. नीति के दोहे	$H_2$1101, $H_2$1102, $H_2$1116, $H_2$1118	अपठित दोहे दिए जाए ।
12. दुःख	$H_2$1103, $H_2$1106, $H_2$1109, $H_2$1113, $H_2$1115, $H_2$1116,	
13. कदम मिलाकर चलना होगा	$H_2$1101, $H_2$1102, $H_2$1116, $H_2$1118	राष्ट्रीय चेतना अथवा प्रेरक प्रसंग दिए जाय या तारे दिए जाए ।
14. नन्हा-सा पौधा	$H_2$1103, $H_2$1106, $H_2$1109, $H_2$1105	
• निमंत्रण पत्र	$H_2$1105, $H_2$1111	विविध विषय लिखे जाय ।
15. बाज लोग	$H_2$1101, $H_2$1102, $H_2$1109, $H_2$1116	प्रवृत्ति में मजदूरों से मुलाकात और रिपोर्ट तैयार करना कहा जाए ।
16. कल्पना शक्ति	$H_2$1103, $H_2$1106, $H_2$1109, $H_2$1110, $H_2$1113, $H_2$1114, $H_2$1115, $H_2$1120	गुजराती गज़ल अनुवाद प्रवृत्ति दी जाए ।
17. गज़ल	$H_2$1101, $H_2$1102, $H_2$1116, $H_2$1118,	
18. पहली चूक	$H_2$1103, $H_2$1106, $H_2$1109, $H_2$1115, $H_2$1116	
• बैंक पत्राचार	$H_2$1105, $H_2$1112, $H_2$1121	
19. डंका	$H_2$1201, $H_2$1202, $H_2$1214, $H_2$1216	

એકમ/પ્રકરણ	અધ્યયન નિષ્પતિ	પાઠ્યપુસ્તકના સ્વાધ્યાયમાં ઉમેરવાની બાબતો
20. दो लघु कथाऐं	$H_2$1103, $H_2$1106, $H_2$1113, $H_2$1115	
• फीचर लेखन	$H_2$1107	
• विज्ञापन	$H_2$1108	
• पारिभाषिक शब्दावली	$H_2$1116	
• व्याकरण	$H_2$1115, $H_2$1116	

DTP-PC-1:\GSEB\2022\Adhyan_Nispati\STD - STD-11-12 _ Hindi (SL)

कक्षा : ११-१२ : हिन्दी (द्वितीय भाषा)

सीखने के प्रतिफल

प्रस्तावना :

यह पाठ्यक्रम भाषा पढाने के लिए एक विस्तृत रुपरेखा के रुप में बनाया गया है। हमें आशा है कि इस रुपरेखा को गुजरात राज्य, जिले अपने स्थानीय संदर्भो और अपने क्षेत्र के बच्चों की विभिन्न क्षमताओं के अनुसार अपनाएँगे ।

उच्चर माध्यमिक स्तर तक छात्र किशोरावस्था में प्रवेश कर चूका होता है । उसमें आलोचनात्मक दृष्टि विकसत होने लगती है । वह भाषा के माध्यम से सामाजिक, राजनैतिक एवम् सांस्कृतिक चेतना को सूक्ष्म अवलोकन करते हुए तर्क-वितर्क की कसौटी पर कसता है । इस प्रक्रिया के दौरान छात्र सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक तमाम सीमाओं को लाँघता हुआ वैश्विक फलक तक पहुंच जाता है और भाषा के विभिन्न आयामों को समझने लगता है ।

समाचार पत्र के माध्यम से छात्र हिंदी भाषा के निकट आता है और हिंदी का सहज एवम् स्वाभाविक प्रयोग खुल के करने लगता है । द्वितीय भाषा के रुप में हिंदी में निपुणता प्राप्त करना आवश्यक है । अतः वर्तमान समय में गुजरात में नयी शिक्षा नीति लागु होने से जो परिवर्तन हुआ है या होनेवाला है उसके संदर्भ में कुछ शैक्षणिक संशोधन किया जा रहा है । इसके परिणाम स्वरुप निम्नलिखित उदेश्यों को लक्ष्य में रखा गया है ।

१. **भाषा क्षमता :** भाषा की बुनियादी संरचनाएँ और उपसंरचनाएँ सीख जाते है, भाषा क्षमता को नैसर्गिक मानने पर हाँसिल होनेवाले शिक्षण पद्धति संबंधी विभिन्न परिस्थितियों में इनका किस प्रकार उचित प्रयोग करना है।

२. **नियमबद्ध व्यवस्था के रुप में भाषा :** वैज्ञानिक तरीके से भाषा की संरचना का अध्ययन भाषा का व्याकरण एक अमूर्त व्यवस्था है ।

३. **बोलना और लिखना :** मौखिक भाषा अपनी प्रकृति में क्षणिक और लिखित भाषा की तुलना में बहुत जल्दी बदलने वाली होती है ।

४. **भाषा, साहित्य और सौंदर्यबोध :** कविता, गद्य, और नाटक न केवल हमारी साहित्यिक संवेदनशीलता को परिदृष्टित करते हैं, बल्कि हमारे सौंदर्यबोध को भी समृद्ध बनाते हैं ।

५. **भाषा एवं समाज :** प्रत्येक भाषा विशेष प्रकार के सामाजिक-सांस्कृतिक और राजनैतिक संदर्भ में अर्जित की जाती है ।

६. **भाषा और अस्मिता :** अल्पसंख्यको के संदर्भ में अस्मिता विशेषरुप से महत्वपूर्ण है । भाषा ऐसा उदगम स्रोत है जहाँ से निकलकर हम अथाह संभावनाओं की तलाश कर सकते हैं ।

७. **भाषा और लिंग :** लिंग का प्रश्न संसार की सभी मानवीय जनसंख्या का प्रश्न है, जैसे भाषा में औरत के लिए स्त्रिलिंग शब्द का प्रयोग किया जाता है तो उसी प्रकार बोली शब्द के लिए भी स्त्रिलिंग शब्द का प्रयोग किया जाता है ।

८. **भाषा शिक्षण के उद्देश्य :** विद्यार्थियो के मस्तिष्क में भाषा से जुडे हुए कौशल्यों का विकास हो, भाषा शिक्षण का उदेश्य विद्यार्थियों में पढकर समझना, लिखना, सीखना जैसी क्षमताओं का विकास हो । विद्यार्थी सुने हुए शब्दों को समझने की क्षमता ग्रहण करें, अक्षरों को जोडकर पढनें की बजाये समझकर पढने की क्षमता विकसित हो, विद्यार्थी अपने विचारों की सहज अभिव्यक्ति प्रदान करें ।

पाठ्यक्रम संबंधी अपेक्षाएँ :-

- भाषा के माध्यम से आलोचनात्मक दृष्टिकोण का विकास ।
- स्वतंत्र और मौखिक रुप से अपने मौलिक विचारों की अभिव्यक्ति का विकास ।
- साहित्य की विभिन्न विधाओं की पहचान ।
- हिंदी भाषा की विशिष्ट प्रकृति एवं क्षमता के माध्यम से विभिन्न से विभिन्न प्रकार की विविधताओं जैसे राष्ट्रीयता, धर्म, लिंग, जाति, भाषा आदि के प्रति सकारात्मक एवं संवेदनात्मक दृष्टिकोण का विकास ।
- जाति, धर्म, लिंग, राष्ट्रीयता, क्षेत्रवाद से चलते बनी रुढियों की मौखिक - लिखित अभिव्यक्ति का विकास।
- विदेशी भाषाओं और अन्य भारतीय भाषाओं की संस्कृति का परिचय कराना ।
- व्यावहारिक और दैनिक जीवन में विविध प्रकार की अभिव्यक्तियों की मौखिक एवं लिखित क्षमता का विकास।
- संचार माध्यमों (प्रिंट और ईलेकट्रोनिक) में प्रयुक्त हिंदी की प्रकृति से अवगत कराना और उन्हें नए-नए तरीके से प्रयोग करने की क्षमता से परिचय कराना ।
- हिंदी भाषा में पूर्वज्ञान आधारित अर्जित क्षमताओं को उत्तरोत्तर परिमार्जित करना ।
- अनुकूल और प्रतिकूल परिस्थितियों में भी भाषा के संवेदनशील और तर्कपूर्ण प्रयोग की क्षमता का विकास।
- हिंदी बहुभाषिक प्रकृति के प्रति ऐतिहासिक और सामाजिक दृष्टिकोण का विकास ।
- शारीरिक और अन्य सभी प्रकार की चुनौतियो का सामना कर रहे बच्चो में भाषिक क्षमताओ के विकास की उनकी अपनी विशिष्ट गति और प्रतिभा की पहचान करना ।
- ईलेक्ट्रोनिकस माध्यमो से जुड़ते हुए भाषा प्रयोग की बारीकियो और सावधानियों से अवगत रहना ।
- आधुनिक परिप्रेक्ष में शांतिपूर्ण एवं विकासात्मक संवाद की क्षमता का विकास करना ।

कक्षा-11 : हिन्दी (द्वितीय भाषा)

सीखने - सीयाने की प्रक्रिया		सीखने के प्रतिफल (Learning Outcomes)
हिन्दी भाषा के वर्गखंड में सभी छात्रों के व्यक्तिगत रुप में, दो दो की पेर मे एवं सामूहिक रुप से निम्न निर्देशित कार्य अनुभव होता है -		**विद्यार्थी-**
सामान्यतया छात्रों को पठन पाठन के अवसर उपलब्ध होंगे, आदर्श पठन का प्रदर्शन अनिवार्य है, दिये गये पद्यो के पर्याप्त गान के अनुभव मिल रहे होंगे । पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त वांचन - पुस्तकें - सामयिकें भी छात्रों के द्वारा उपयोग हो रहा होगा ।	H21101	साहित्य की पद्य विधाओं (दोहा, महाकाव्य, खंडकाव्य, मुक्तक, गीत, गझल चौपाई, छंद आदि) को सुनकर एवम् पढकर अर्थग्रहण करते हें ।
	H21102	साहित्य की पद्य विधाओं (दोहा, महाकाव्य, खंडकाव्य, मुक्तक, गीत, गझल चौपाई, छंद आदि) को मौखिक एवम् लिखित रुप से अभिव्यक्त करते हैं ।
सामान्यतया माना जाता है कि भाषा की पूर्णता व्याकरण के सिवा संभव नहीं है, लेकिन भाषा शिक्षण में छात्रों व्याकरण के नियम कंठस्थ करे ये ठीक नहीं है । हमारे वर्गो में छात्र स्वयं अपने नियम बनाते होंगे ।	H21103	साहित्य की गद्य विधाओं (नाटक, कहानी, उपन्यास-अंश व्यंग्यलेख, लघुकथा, डायरी लेखन, प्रवास-वर्णन आदि) को सुनकर एवम् पढ़कर अर्थग्रहण करते हैं ।
	H21104	हिन्दी के विविध रुप - जनव्यवहार की भाषा, क्षेत्रिय भाषा, राजभाषा का व्यावहारिक जीवन में उपयोग करते हैं ।
● शिक्षक द्वारा एवम् तकनीकी साधन के माध्यम से साहित्य की पद्य एवम् गद्य विद्याओं के स्वरुपो का श्रवण, कथन, वाचन एवम् लेखन के भिन्न भिन्न अवसर प्रदान किये जाएँ ।	H21105	हिंदी में औपचारिक और अनौपचारिक पत्र (जैसे - कार्यालय पत्राचार, आदेश पत्र, निमंत्रण पत्र, आमंत्रण पत्र, शिकायती पत्र आदि) लिखते है ।
● सभी विद्यार्थीयों को समझते हुए व्यक्तिगत एवम् सामूहिक रुप से कार्य करने के अवसर एवम् प्रोत्साहन दिए जाएँ ।	H21106	साहित्य की गद्य विधाओं (नाटक, कहानी, उपन्यास अंश, व्यंग्यलेख, लघुकथा, डायरी लेखन, प्रवास वर्णन आदि) को मौखिक एवम् लिखित रुप से अभिव्यक्त करतें हैं ।
● साहित्य की पद्य विधाओं का व्यक्तिगत एवम् सामुहिक गान करने का अवसर प्रदान करें ।		
● समसामयिक परिवेश पर आधारित रचनाओं को पढ़ने और समझकर चर्चा करने के अवसर प्राप्त हों ।	H21107	समारोह, खेलकूद, प्रदूषण आदि विषयों पर फिचर लेखन करते हैं ।
	H21108	विज्ञापन लेखन करते हैं ।
● साहित्य की पद्य एवम् गद्य विधाओं के स्वरुपो का रसदर्शन करने के अवसर प्रदान करें ।	H21109	पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त संदर्भग्रंथों तथा अन्य साहित्यिक विधाओं को पढने के लिए पुस्तकालय का उपयोग करते हैं ।
● त्वरित गति से परिवर्तनशील समाज में विद्यार्थियों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण की ओर प्रेरित करें ।		
● साहित्यिक विधाओं में हास्य के द्वारा विद्यार्थीयों में सामाजिक ढोंग और व्यंग को उजागर करना ।	H21110	अपठित परिच्छेद को पढकर उसका संक्षिप्तीकरण करतें हैं ।
● भाषा-साहित्य की विविध विधाओं के परिवर्तनशील स्वरुप पर चर्चा हो तथा विद्यार्थीयों को राष्ट्रभावना के लिए प्रेरित करें ।	H21111	आसपास में घटित घटना को देखकर, समझकर मौखिक या लिखित रुप में प्रतिवेदन (रिपोर्ट) देते हैं ।
● विद्यार्थियों में मौलिक, सुजनशक्ति का विकास करें ।	H21112	इन्टरनेट, कम्प्यूटर, डी.टी.पी., ई-मेल, वेबसाइट, फैक्स आदि से संबंधी जानकारी प्राप्त करते हैं।

<table>
<tr><th>सीखने - सीयाने की प्रक्रिया</th><th></th><th>सीखने के प्रतिफल (Learning Outcomes)</th></tr>
<tr><td rowspan="9">● विधार्थी लोककला, हस्तकला और लघु उद्योंगो को देखे, जाने और समझें । उसे शुरु करने के लिए प्रेरित करें ।
● विद्यार्थियों को मानवीय मूल्यों का विकास करने के लिए प्रेरित करें ।
● आनंद और हर्षोल्लास के साथ विद्यार्थियों के मस्तिष्क को कसें और उन्हें नये विचारों की ओर प्रेरित करें ।</td><td>H21113</td><td>कहानी, रिपोर्ट्स, निबंध, विचार विस्तार लिखते हैं ।</td></tr>
<tr><td>H21114</td><td>अपठित गद्यांश - पद्यांश को पढकर उसका अर्थग्रहण करते हैं ।</td></tr>
<tr><td>H21115</td><td>मुहावरें, कहावतों के अर्थ को समझकर उसका वाक्य में प्रयोग करते हैं ।</td></tr>
<tr><td>H21116</td><td>तत्सम, तद्भव, पर्यायवाची, विलोमार्थी, अनेकार्थी, शब्द-समूह के लिए एक शब्द, उपसर्ग, प्रत्यय आदि के अर्थ को समझकर अर्थनिर्माण करते हैं ।</td></tr>
<tr><td>H21117</td><td>वाक्य में से अशुद्धि खोजकर शुद्ध रुप से वाक्य लिखते हैं ।</td></tr>
<tr><td>H21118</td><td>संधि को समझकर उसके उदाहरण देते हैं ।</td></tr>
<tr><td>H21119</td><td>समास को पहचानकर उसके उदाहरण देते हैं ।</td></tr>
<tr><td>H21120</td><td>कर्तृवाचक संज्ञा, भाववाचक संज्ञा और विशेषण के अर्थ को समझकर शब्द निर्माण करते हैं ।</td></tr>
<tr><td>H21121</td><td>बैंक, डाकघर संबंधित ई-मेल करते हैं ।</td></tr>
</table>

कक्षा-12 : हिन्दी (द्वितीय भाषा)

सीखने - सीयाने की प्रक्रिया	सीखने	के प्रतिफल (Learning Outcomes)
हिन्दी भाषा के वर्गखंड में सभी छात्रों को व्यक्तिगत रुप में, दो दो की पेर मे एवं सामूहिक रुप से निम्न निर्देशित कार्य अनुभव होता है -		**विद्यार्थी-**
सामान्यतया छात्रों को पठन पाठन के अवसर उपलब्ध होंगे, आदर्श पठन का प्रदर्शन अनिवार्य है, दिये गये पद्यो के पर्याप्त गान के अनुभव मिल रहे होंगे । पाठ्यपुस्तक के प्रतिरिक्त वांचन - पुस्तकें - सामयिकें भी छात्रों के द्वारा उपयोग हो रहा होगा ।	H21201	साहित्य की पद्य विधाओं (दोहा, महाकाव्य, खंडकाव्य, मुक्तक, गीत, गझल चौपाई, छंद आदि) को सुनकर एवम् पढकर अर्थग्रहण करते हें ।
	H21202	साहित्य की पद्य विधाओं (दोहा, महाकाव्य, खंडकाव्य, मुक्तक, गीत, गझल चौपाई, छंद आदि) को मौखिक एवम् लिखित रुप से अभिव्यक्त करते हैं ।
सामान्यतया माना जाता है कि भाषा की पूर्णता व्याकरण के सिवा संभव नहीं है, लेकिन भाषा शिक्षण में छात्रों व्याकरण के नियम कंठस्थ करे ये ठीक नहीं है । हमारे वर्गो में छात्र स्वयं अपने नियम बनाते होंगे ।	H21203	साहित्य की गद्य विधाओं (नाटक, कहानी, उपन्यास-अंश, व्यंग्यलेख, लघुकथा, डायरी लेखन, प्रवास-वर्णन आदि) को सुनकर एवम् पढ़कर अर्थग्रहण करते हैं ।
	H21204	हिन्दी के विविध रुप - जनव्यवहार की भाषा, क्षेत्रिय भाषा, राजभाषा का व्यावहारिक जीवन में उपयोग करते हैं ।
• शिक्षक द्वारा एवम् तकनीकी साधन के माध्यम से साहित्य की पद्य एवम् गद्य विधाओं के स्वरुपो का श्रवण, कथन, वाचन एवम् लेखन के भिन्न भिन्न अवसर प्रदान किये जाएँ । सभी विधाओ का अंतर संबंध क्या है और भिन्नता क्या है उसकी चर्चा की जायेगी ।	H21205	हिंदी में औपचारिक और अनौपचारिक पत्र (जैसे - कार्यालय पत्राचार, आदेश पत्र, निमंत्रण पत्र, आमंत्रण पत्र, शिकायती पत्र आदि) लिखते है ।
	H21206	साहित्य की गद्य विधाओं (नाटक, कहानी, उपन्यास अंश, व्यंग्यलेख, लघुकथा, डायरी लेखन, प्रवास वर्णन आदि) को मौखिक एवम् लिखित रुप से अभिव्यक्त करतें हैं ।
• विद्यार्थीयों द्वारा भिन्न भिन्न कृतियों की विशेषता के बारे में आपस में चर्चा होगी । उसके आधार पर समजी हुई बातें की टिप्पणी लिखी होगी ।	H21207	समारोह, खेलकूद, प्रदूषण आदि विषयों पर फिचर लेखन करते हैं ।
• साहित्य की पद्य विधाओं का व्यक्तिगत एवम् सामूहिक गान करने का अवसर प्रदान करें । आवश्यकता अनुसार समूह माध्यमो के उपयोग किया जायेगा और समान पद्य रचनाओं से छात्र परिचित होंगे ।	H21208	विज्ञापन लेखन करते हैं ।
	H21209	पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त संदर्भग्रंथों तथा अन्य साहित्यिक विधाओं को पढने के लिए पुस्तकालय का उपयोग करते हैं ।
• समसामयिक परिवेश पर आधारित रचनाओं को पढने और समझकर चर्चा करने के अवसर प्राप्त हों । वर्तमानपत्रो, सामयिकों की विगतोनी वर्गखण्ड में चर्चा होनी चाहिये ।	H21210	अपठित परिच्छेद को पढकर उसका संक्षिप्तीकरण करतें हैं ।
	H21211	आसपास में घटित घटना को देखकर, समझकर मौखिक या लिखित रुप में प्रतिवेदन (रिपोर्ट) देते हैं ।
• साहित्य की पद्य एवम् गद्य विधाओं के स्वरुपो का रसदर्शन करने के अवसर प्रदान करें । वर्गखण्ड में और स्कूल की सभाओं में छात्र अपनी पढी हुई कृति का रसमय विश्लेषण करें ।	H21212	इन्टरनेट, कम्प्यूटर, डी.टी.पी., ई-मेल, वेबसाइट, फैक्स आदि से संबंधी जानकारी प्राप्त करते हैं ।
	H21213	कहानी, रिपोर्ट्स, निबंध, विचार विस्तार लिखते हैं ।
	H21214	अपठित गद्यांश - पद्यांश को पढकर उसका अर्थग्रहण करते हैं ।

सीखने - सीयाने की प्रक्रिया		सीखने के प्रतिफल (Learning Outcomes)
• विद्यार्थीयों मे निहित कल्पनाशीलता और सृजनशीलता का विकास करने के लिए अभिनय, रोल-प्ले, संवाद तथा लेखन आदि का आयोजन अवसर सुलभ हो । • निर्देशित विधाओं के स्वरुपो के बारे में विशेष अभ्यास हेतु पुस्तकालय एव तकनीकी स्रोतो के जरिए पठन करने के एवम् प्रकल्प कार्य करने के अवसर दिए जाएँ । • नाटक और एकांकी के आधार पर पटकथा लेखन का अवसर सुलभ हो । साहित्य कृतियों के माध्यम से और समसामयिक घटनाओं की चर्चा के द्वारा । • सामाजिक, सांस्कृतिक और जातिभेद जैसे अनेक प्रकार के भेदभाव को दूर करने के लिए प्रेरित करें । विद्यार्थीयों को प्रामाणिकता, एकाग्रता एवं निष्ठा के लिए प्रेरित करें । • साहित्य की विविध विधाओं के परिवर्तनशील अंतरसंबंधो को समझते हुए चर्चा हो, जैसे उपन्यास, कहानी, नाटक, एकांकी । • इलेक्ट्रोनिक मिडिया के माध्यम से राष्ट्रीय, सांस्कृतिक-सौंदर्यात्मक पक्षों पर चर्चा और विश्लेषण करने के अवसर हों । • विद्यार्थीयों को मौन और सांकेतिक भाषा के बारें में पढने, समझने और लिखने की ओर प्रेरित करें । • विद्यार्थियों के मस्तिष्क को कसे और उन्हें नये विचारों की ओर प्रेरित करें । • वर्गखंड में शिक्षक अनुकरण करते हुए मुहावरे एवम् कहावतों का सार्थक प्रयोग करें और विद्यार्थियों को भी प्रयोग करने के लिए प्रेरित करें । • शिक्षक व्याकरण के विभिन्न बिंदुओं को उदाहरण के माध्यम से स्पष्ट करे और दो के बीच अंतर प्रस्तुत करे । जैसे अग्नि-आग, नीर - जल • त्वरित गति से परिवर्तशील समाज में विद्यार्थीयों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण की ओर प्रेरित करें । • साहित्यिक विधाओं में हास्य के द्वारा विद्यार्थीयों	H21215 H21216 H21217 H21218 H21219 H21220 H21221 H21222 H21223	मुहावरें, कहावतों के अर्थ को समझकर उसका वाक्य में प्रयोग करते हैं । तत्सम, तद्भव, पर्यायवाची, विलोमार्थी, अनेकार्थी, शब्द-समूह के लिए एक शब्द, उपसर्ग, प्रत्यय आदि के अर्थ को समझकर अर्थनिर्माण करते हैं । वाक्य में से अशुद्धि खोजकर शुद्ध रुप से वाक्य लिखते हैं । संधि को समझकर उसके उदाहरण देते हैं । समास को पहचानकर उसके उदाहरण देते हैं । कर्तृवाचक संज्ञा, भाववाचक संज्ञा और विशेषण के अर्थ को समझकर शब्द-निर्माण करते हैं । बैंक, डाकघर संबंधित ई-मेल करते हैं । परिचित-उपरिचित परिस्थिति में स्वस्थ सम्वाद करते हैं । कविता एवम् कहानी को अपनी समझ के आधार पर नये रुप में प्रस्तुत करते हैं ।

सीखने - सीयाने की प्रक्रिया		सीखने के प्रतिफल (Learning Outcomes)
में सामाजिक ढोंग और व्यंग्य को उजागर करना । ● भाषा-साहित्य की विविध विधाओं के परिवर्तनशील स्वरुप पर चर्चा हो तथा विद्यार्थियों को राष्ट्रभावना के लिए प्रेरित करें । ● विद्यार्थियों में मौलिक, सृजनशक्ति का विकास करें । जैसे - संवाद, काव्य पठन इत्यादि । ● विद्यार्थी लोक कला, हस्तक-कला और लघु उद्योंगों को देखे, जाने और समझें । उसे शुरु करने के लिए प्रेरित करें । ● वर्गखंड में शिक्षक समसामयिक घटनाओं पर व्यक्तिगत या सामूहिक रुप से चर्चा करें और छात्रों को चर्चा के लिए प्रेरित करें । ● वर्गखंड के अंदर हिंदी भाषा के महत्व को समझे इस लिए एक उत्तम वातावरण का निर्माण करके मौलिक विचार एवम तार्किक विचार प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित करें । संभवतः शाला के विशेष कार्यक्रमो में हिन्दी भाषा का प्रयोग हो वैसे प्रयोगो प्रस्तुत करें ।		